Learning Resource Centre
JK Lakshmipat University, Jaipur

No05/ Feb./ 2020

Rajasthan Patrika, Jaipur	08 Feb. 2020	Page No.24

आइबीएम में यूनिवर्सिटी रिलेशंस हैड मोना भारद्वाज ने कहा-

स्टूडेंट्स यूज ले सकेंगे आइबीएम की ई-लाइब्रेरी, एक्सपर्ट करेंगे गाइड

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ◆ इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स आइबीएम की मशीन लर्निंग और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की ई-लाइब्रेरी फ्री में यूज कर सकेंगे। इससे स्टूडेंट्स को प्रोजेक्ट बनाने में इनिशियल लेवल पर हेल्प मिलेगी। साथ ही आइबीएम के एक्सपर्ट से भी स्टूडेंट्स अपने प्रोजेक्ट में गाइडेंस ले सकेंगे। यह कहना है आइबीएम में यूनिवर्सिटी रिलेशंस हैड मोना भारद्वाज का। शुक्रवार को जगतपुरा स्थित स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ईमर्जिंग टेक्नोलॉजी इन कम्प्यूटर इंजीनियरिंग पर शुरू हुई दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के पहले दिन उन्होंने कहा कि आइबीएम वॉटसन क्लाउड के जरिए ये प्लेटफॉर्म ओपन टू ऑल होगा। इससे स्टूडेंट्स को ग्लोबल एक्सपोजर मिल सकेगा। उन्होंने डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर स्टूडेंट्स की क्वेरीज सॉल्व की। सेशन में दिल्ली इग्नू के ए. मुरली एम. राव ने कहा कि ई-एजुकेशन में डेटा और टेक्नोलॉजी से सोसायटी में लिटरेसी रेट बढ़ेगी।

हेल्थ व एग्रीकल्चर में हेल्पफुल

वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी से आए साइंटिस्ट सन मुर्गसेन ने आइओटी के माध्यम से एग्रीकल्चर एवं हेल्थ सेक्टर में आए बदलाव पर कहा कि एग्रीकल्चर में पानी का वेस्टेज रोकना एवं हेल्थ सेक्टर में त्वरित इलाज एक्सपर्ट डॉक्टर से मिले, इसके लिए भी आइओटी की बेहतर भूमिका है। इस दौरान एक्सपर्ट्स ने स्मार्ट सिटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रांसपोर्टेशन सहित सभी फिल्ड्स में आइटी की ईमर्जिंग टेक्नोलॉजिस की उपयोगिता बताई।

मोना भारद्वाज